नभ के पिंड

(कविता)

10

किसी खुली-सी जगह खड़े हो
ऊपर को तुम नजर घुमाओ।
दूर-दूर तक नीले रंग का
खाली-सा स्थान इक पाओ।

दूरी के कारण यह नीला
'नभ', 'आकाश' इसी को कहते।
सूरज, चंदा और सितारे
मिल-जुलकर सब इसमें रहते।

दिन का मालिक सूरज होता
रातों के हैं चाँद-सितारे।
खूब रोशनी लुटा-लुटाकर
दुनिया में कहलाते प्यारे।

सूरज मध्य सौरमंडल के
स्थित सबसे बड़ा सदस्य है।
तेरह लाख गुना पृथ्वी से
बड़ा बना, कैसा रहस्य है?

साढ़े आठ मिनट में किरणें
सूरज से धरती पर आतीं।
जबकि शेष तारों से किरणें
कई वर्ष में हैं आ पातीं।

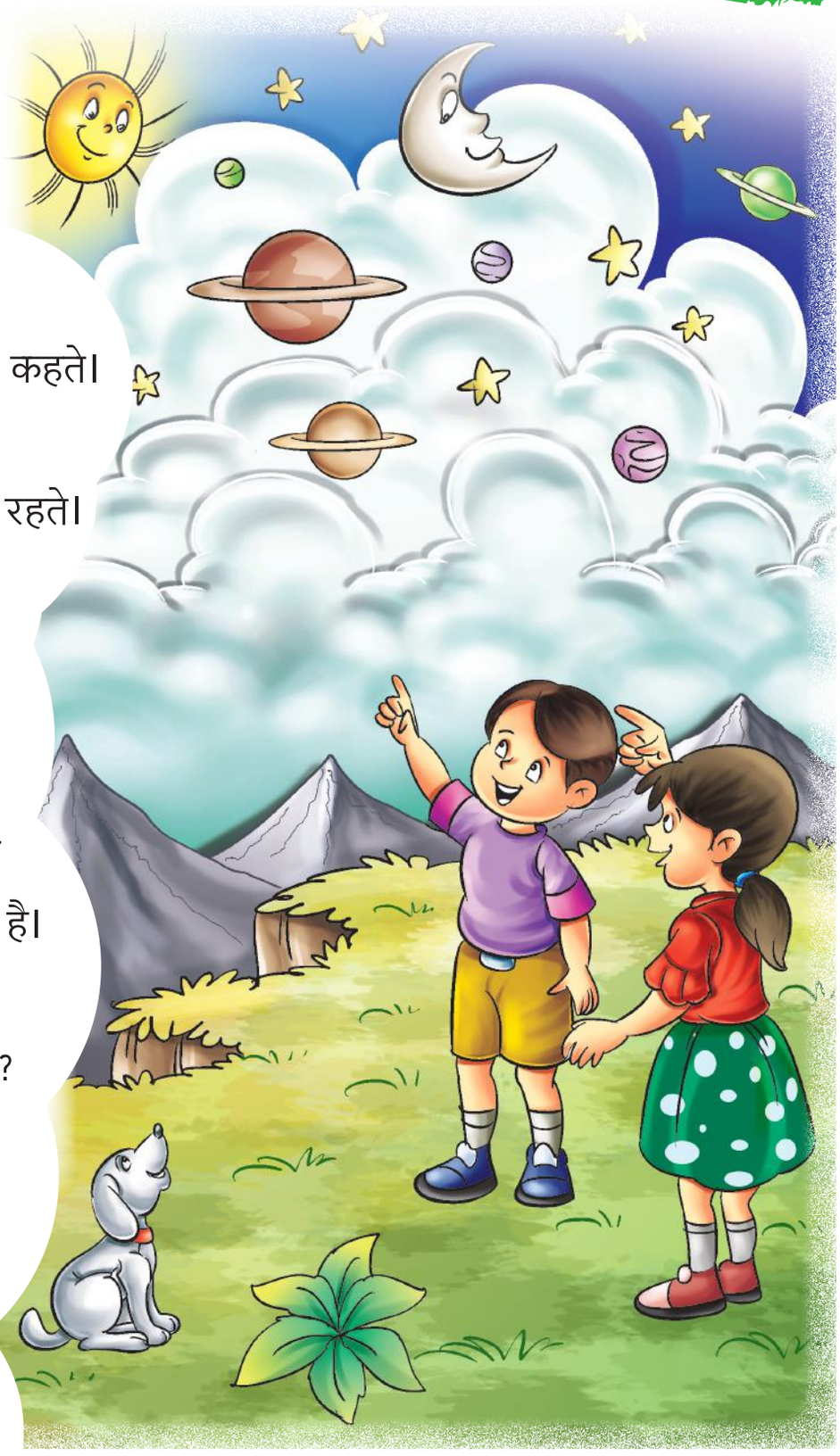

'ग्रह' तारों से बहुत भिन्न हैं
ये पिंड प्रकाशहीन कहलाते।
सूरज की कर ग्रहण रोशनी
चम-चम-चम-चम चमक लुटाते।

-घमंडीलाल अग्रवाल

कविता का भावार्थ – प्रस्तुत कविता में कवि घमंडी लाल अग्रवाल बताते हैं कि किसी खुले स्थान पर खड़े होकर आसमान की ओर देखकर एक नीले रंग का पूरा रिक्त स्थान पाते हैं। यही नीला रंग दूरी के कारण नभ और आकाश कहलाता है जिसमें सूरज, चाँद और सितारे एक-साथ मिलकर रहते हैं। सूरज दिन में निकलता है और चाँद-सितारे रात में निकलकर पूरी दुनिया में प्रकाश फैलाकर सबके प्यारे बनकर बैठे हैं। सारे मंडल के बीच में सूरज सबसे बड़ा सदस्य हैं। पृथ्वी से तेरह लाख गुना बड़ा है। जिसका रहस्य हम आज तक नहीं जान पाए हैं। सूरज की किरणें धरती पर साढ़े आठ मिनटों में पहुँच जाती हैं। बाकी बचे हुए तारों की किरणों को धरती तक पहुँचने में कई वर्ष लग जाते हैं। ग्रह तारों से बिलकुल अलग होते हैं। यह ठोस गोले रोशनी के बिना होते हैं। सभी ग्रह सूरज से रोशनी प्राप्त कर रोशनी बिखेरते हैं।

शब्द-भंडार

नजर — देखना *(glare)*,
मालिक — स्वामी *(owner)*,
मध्य — बीच *(middle)*,
सौरमंडल — ग्रहों, उपग्रहों का समूह *(the solar system)*,
सदस्य — सभा या संस्था से संबंध रखने वाला व्यक्ति *(member)*,
भिन्न — अलग *(discrete)*,
गुना — गुणन करना *(multiplication)*,
रहस्य — भेद *(mystery)*,
पिंड — ठोस गोले *(object)*,
प्रकाशहीन — रोशनी के बिना *(without light)*,
ग्रहण — प्राप्त करना, पाकर *(eclipse)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

खुली	घुमाओ	मालिक	सितारे	ग्रहण	मध्य	सौरमंडल
गुना	तेरह	लाख	रहस्य	भिन्न	पिंड	प्रकाशहीन

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) ऊपर की ओर नजर घुमाने पर तुम्हें क्या दिखाई देता है?

(ख) आसमान में मिल-जुलकर कौन रहता है?

(ग) रात के मालिक कौन हैं?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) आसमान के पर्यायवाची शब्द कौन-से हैं?

☐ सूर्य, सूरज, रवि ☐ आकाश, नभ, गगन ☐ शशि, चंद्र, चारू

(ख) 'खाली-सा स्थान' का क्या अर्थ है?

☐ सूरज ☐ धरती ☐ आकाश

(ग) सूरज की किरणें धरती पर आने के लिए कितना समय लगाती हैं?

☐ आठ मिनट ☐ साढ़े आठ मिनट ☐ सवा आठ मिनट

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) आसमान में कौन रोशनी लुटाता है?

(ख) आसमान पर हम क्या-क्या देखते हैं?

(ग) सौरमंडल का सबसे बड़ा सदस्य कौन है?

(घ) पृथ्वी से सूरज कितना बड़ा है?

(ङ) ग्रहों और तारों में क्या अंतर है?

3. कविता की पंक्तियाँ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

दूरी के कारण यह नीला
'नभ', 'आकाश' इसी को कहते।
सूरज, चंदा और सितारे
मिल-जुलकर सब इसमें रहते।
दिन का मालिक सूरज होता
रातों के हैं चाँद-सितारे।
खूब रोशनी लुटा-लुटाकर
दुनिया में कहलाते प्यारे।

(क) आकाश नीला क्यों दिखाई देता है?

.....

(ख) दिन का मालिक कौन है?

.....

(ग) आकाश में कौन मिल-जुलकर रहता है?

.....

भाषा-ज्ञान

1. जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम का संबंध, वाक्य में आए, अन्य शब्दों के साथ बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं। जैसे–

- नीचे दिए गए वाक्यों में संबंधबोधक शब्दों पर गोला ◯ लगाइए।

(क) मेज के नीचे खिलौना है।

(ख) मेरे घर के सामने मैदान है।

(ग) विद्यालय के पास बहुत से पेड़-पौधे हैं।

2. नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों मे प्रयोग कीजिए।

(क) ग्रह – .....

(ख) मालिक – .....

(ग) रोशनी – .....

3. नीचे दिए गए शब्दों के सही विलोम पर (✓) लगाइए।

(क)	मालिक	–	☐	मालकिन	☐	नौकर	☐ दास
(ख)	दूर	–	☐	पास	☐	दूरी	☐ ऊँचा
(ग)	आकाश	–	☐	नभ	☐	गगन	☐ धरती

क्रियात्मक गतिविधि

- विज्ञान भवन या नेहरू प्लेनेटोरियम के माध्यम से ग्रहों, नक्षत्रों के बारे में जानकारियाँ एकत्रित कीजिए।
- मंगल ग्रह के बारे में इंटरनेट से ढूँढकर पढ़िए और एक प्रेजेंटेशन तैयार कीजिए।